

इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में छवि बहुत बड़ी थी, और पाश्चात्य जगत के लोग उन्हें "स्वतंत्र विश्व" को बचाने वाले प्रचारित करते हैं लेकिन क्लैमेंट एटली उस समय की जरूरतों को समझने में सक्षम था।

चर्चिल जब बहुत युवा थे तब ही से भारत के प्रति उनको एक सोच विकसित हो गई थी। उन्होंने ब्रिटिश काल में बतौर पत्रकार यहा काम किया। उन्होंने भारतीय सीमाओं पर लड़े गए कई युद्धों के बारे में लिखा। कोलकाता में उन्होंने तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन से मुलाकात की इसके बाद वे ब्रिटेन लौट गए।

जब चर्चिल दूसरे विश्व युद्ध में हिटलर के खिलाफ मित्र देशों की सेना

का नेतृत्व कर रहे थे उस समय 1942 में बंगाल भी जब अकाल से जूझ रहा था और ये चर्चिल ही थे, जिन्होंने उस अकाल को भीषण त्रासदी में बदल दिया था क्योंकि उन्होंने बंगाल के लिए भेजे जा रहे अनाज के जहाजों को मित्र देशों की सेनाओं के लिए भेज दिया था और लाखों भारतीय भूख से मर गए थे।

ऐसा नहीं था कि मित्र देशों की सेना भोजन के संकट से जूझ रही थी या उन्हें पर्याप्त राशन नहीं मिल रहा था, चर्चिल ने ऐसा सिर्फ इसलिए किया कि कहीं मित्र देशों की सेनाओं को अकस्मात अनाज की जरूरत पड़ जाए। चर्चिल का वह युद्ध अपराध बहुत बड़ा था पर इस पर इसलिए ध्यान नहीं दिया गया क्योंकि अकाल और भूख से मरने वाले लाखों

भारतीय असहाय थे।

भारत के लिए 1942 बेहद कठिन समय था, जिसे चर्चिल ऐसा सुनहरा समय बता कर प्रचारित कर रहे थे जो हजारों सालों में एक बार आता है। यह समय है कि भारत को उन लोगों की याद में एक स्मारक बनाना चाहिए जो चर्चिल निर्णय (अन्यायपूर्ण निर्णय) की वजह से भूख से मारे गए थे। जिस अनाज को उस समय भारतीयों को सख्त जरूरत थी वह चर्चिल ने मित्र देशों की सेनाओं को दिला दिया।

युद्ध खत्म होने के बाद विजयी मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी के युद्ध अपराधों पर विचार किया, जहां लाखों यहूदी व अन्य लोग यातना शिविरों व गैस चैम्बरों में मार डाले गए थे, पर उन्होंने भारत में भूख से मरे

लाखों लोगों का कारण बने एक अपराध पर कभी भी विचार नहीं किया।

युद्धकाल में अगर चर्चिल को कोई व्यक्ति नापसंद था तो वह थे महात्मा गांधी जो चर्चिल एकदम विपरीत थे। गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य की "सिविलाइज्ड फोर्स" होने की धारणा को अस्वीकार कर दिया और चर्चिल को यह अस्वीकृत कर्तव्य पसंद नहीं थी। प्रशिक्षित सैनिक चर्चिल ब्रिटिश समाज के पारम्परिक समाज और रूढ़िवादी परम्पराओं साथ पले बढ़े थे। इसके विपरीत गांधी ने ताकत को अंतिम परीक्षण के रूप में नकार दिया था। गांधी की राजनीति चर्चिल को खिद्योचित लगती थी। चरखा चलाने को चर्चिल औरतों का काम मानते थे।

तुरंत प्रभाव से विदेशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीमो कहता है कि वर्तमान विदेशी सहायता के स्टॉप वर्क आर्डर तत्कालीन जारी हो जायेंगे तथा तब तक जारी रहेंगे, जब तक रबियो समीक्षा नहीं कर लेते।

यूएस एजेन्सी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने, अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, "यह एक निर्मित दुर्व्यवस्था है।"

उक्त अधिकारी ने कहा, "सभी संस्थाओं को अपनी सारी गतिविधियाँ रोक देनी पड़ेंगी तथा इसी प्रकार सभी जीवनरक्षक चिकित्सा सेवाएं, एचआईवी/एड्स, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, सभी कृषि कार्य, शिक्षा तथा सविल सोसायटी संगठनों की सारी सहायता रुक जायेगी।"

यूएसएआईडी के एक अधिकारी, जिन्होंने उनका नाम उजागर न करने का अनुरोध किया, ने कहा कि यूक्रेन में विभिन्न प्रोजेक्टों के जिम्मेदार अधिकारियों को सारा काम रोक देने के लिये कह दिया गया है। उस अधिकारी ने कहा कि रोक दिये गये प्रोजेक्टों में स्कूल तथा चिकित्सा सहायता, जैसे आपातकालीन मातृ-चिकित्सा तथा बच्चों के वैक्सिनेशन आदि शामिल हैं।

अगले 85 दिनों तक चलने वाली समीक्षा के बाद, क्या रबियो द्वारा निर्णय लिये जायेंगे कि ये सहायता कार्यक्रम जारी रहेंगे, संशोधित होंगे या रद्द कर दिये जायेंगे। उस समय तक, रबियो ढील बरतने की स्वीकृति दे सकते हैं।

मीमो के अनुसार, रबियोने आपातकालीन खाद्य सहायता के मामलों में भी ढील दे दी है। यह ढील गाजा स्ट्रिप में दी गई मानवीयता की खातिर दी गई है, जहाँ इजरायल और फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने हमला में रविवार को युद्ध विराम की शुरुआत की थी। इसके अलावा, सूडान सहित, विश्व के अन्य कई भूख-पीड़ित क्षेत्रों में इस किस्म की ढील दी गई है।


स्टेट डिपार्टमेंट के मीमो में यह भी कहा गया है कि रबियो ने इन छूटों की स्वीकृति "इजरायल तथा मिस्त्र के लिये विदेशी सैन्य वित्त-पोषण तथाउन प्रशासनिक खर्चों, जिनमें वेतन शामिल हैं, जो विदेशी सैन्य वित्त-पोषण के संचालन के लिये आवश्यक हैं।

फॉरेन मिलिट्री फायनेंसिंग के रूप में, इजरायल को करीब 3.3 अरब डॉलर तथा मिस्त्र को करीब 1.3 अरब डॉलर मिलते हैं।





Hindustan Zinc, Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, India | +91 294-6604000-02 | CIN L27204RJ1966PLC001208 | www.hzindia.com | infohzl@vedanta.co.in
<https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/> <https://www.facebook.com/HindustanZinc/> https://twitter.com/Hindustan_Zinc <https://www.instagram.com/hindustanzinc>

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाइंट मोडिया, आजाद मार्ग, मेन रोड, अय्यड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513 कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032 फैक्स: 0744-2386033 बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाऊस, हनुमान हथा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राहुदत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डानसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डानसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908




संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री



76

वें

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी



के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय संविधान देश की वैविध्यपूर्ण संस्कृतियों को एक सूत्र में मजबूती से जोड़ते हुए नागरिकों के अधिकारों को संरक्षित करता है।

आइए, इस गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव को और सुदृढ़ बनाएं। साथ ही देश और प्रदेश की विकास यात्रा के पथगामी बनें।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

हिन्दुस्तान जिंक की ओर से

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दुस्तान जिंक

भारत का गौरव। विश्व में सर्वश्रेष्ठ

- हिन्दुस्तान जिंक में, हम केवल धातुओं का उत्पादन नहीं करते – हम संभावनाएं सृजित करते हैं
- लगातार दो वर्षों से, S&P ग्लोबल CSA में विश्व में नंबर 1*
- ईकोजेन का उत्पादन – एशिया का पहला कम कार्बन 'ग्रीन' जिंक
- स्वच्छ और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला, जिंक और सिल्वर जैसी महत्वपूर्ण धातुओं का निर्माण
- हिन्दुस्तान जिंक एनर्जी ट्रांजिशन के केंद्र में भारत का नेतृत्व कर विश्व को प्रेरित कर रहा है

*मेटल्स एंड माइनिंग सेक्टर में

Hindustan Zinc, Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, India | +91 294-6604000-02 | CIN L27204RJ1966PLC001208 | www.hzindia.com | infohzl@vedanta.co.in
<https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/> <https://www.facebook.com/HindustanZinc/> https://twitter.com/Hindustan_Zinc <https://www.instagram.com/hindustanzinc>

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाइंट मोडिया, आजाद मार्ग, मेन रोड, अय्यड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513 कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032 फैक्स: 0744-2386033 बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाऊस, हनुमान हथा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राहुदत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डानसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डानसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908